अध्याय 15: हरिहर काका

विषय-सूची

1 प्रश्नावली · 10 प्रश्न

प्रश्नावली 15.1 बोध-प्रश्न 10 प्रश्न

प्रश्नावली 15.1 — बोध-प्रश्न

प्रश्न 1

कथावाचक और हरिहर काका के बीच क्या संबंध है और इसके क्या कारण हैं?

हल

कथावाचक और हरिहर काका के बीच गहरी मित्रता का संबंध है।

इस संबंध के दो प्रमुख कारण हैं —

पहला कारण यह है कि हरिहर काका कथावाचक के पड़ोस में रहते हैं। निकट-निवास के कारण उनमें स्वाभाविक घनिष्ठता बन गई।

दूसरा कारण यह है कि कथावाचक की माँ बताती हैं कि हरिहर काका बचपन में उसे बहुत दुलार करते थे, कंधे पर बैठाकर घुमाते थे और एक पिता जितना प्यार करते थे।

जब कथावाचक सयाना हुआ तब उसकी पहली गहरी दोस्ती हरिहर काका के साथ ही हुई। हरिहर काका ने भी उससे पहले गाँव में किसी से इतनी गहरी दोस्ती नहीं की थी।

वे कथावाचक से कुछ भी नहीं छिपाते थे और खूब खुलकर बातें करते थे।

उत्तर: कथावाचक और हरिहर काका के बीच गहरी मित्रता है — पड़ोस में रहने के कारण और बचपन से हरिहर काका के अपार स्नेह के कारण यह मित्रता बनी।

प्रश्न 2

हरिहर काका को महंत और अपने भाई एक ही श्रेणी के क्यों लगने लगे?

हल

प्रारंभ में हरिहर काका को महंत और अपने भाई अलग-अलग लगते थे — भाई अपने खून के रिश्तेदार थे और महंत को वे धर्म-गुरु मानते थे।

लेकिन जब ठाकुरबारी के महंत ने आधी रात को अपने साधुओं के साथ हरिहर काका का अपहरण कर लिया और जबरन उनके अँगूठे के निशान सादे व लिखे कागजों पर लिए, तो हरिहर काका को उनके असली रूप का पता चला।

इसी प्रकार जब हरिहर काका ने भाइयों को भी जमीन लिखने से इनकार किया, तो भाइयों ने भी उन्हें बाँधकर जबरन अँगूठे के निशान लिए और मारा-पीटा।

दोनों ने एक जैसे ही लालच और जबरदस्ती का रास्ता अपनाया — केवल हरिहर काका की पंद्रह बीघे जमीन हड़पने के लिए।

इसीलिए हरिहर काका ने गरजकर भाइयों से कहा — 'तुम सब ठाकुरबारी के महंत-पुजारी से तनिक भी कम नहीं!' — क्योंकि दोनों ने उनकी संपत्ति के लिए धोखा, छल और बल का प्रयोग किया।

उत्तर: महंत और भाई दोनों ने ही जमीन हड़पने के लिए हरिहर काका का अपहरण किया और जबरन अँगूठे के निशान लिए — यही स्वार्थ और क्रूरता दोनों को एक श्रेणी में रखती है।

प्रश्न 3

ठाकुरबारी के प्रति गाँव वालों के मन में अपार श्रद्धा के जो भाव हैं उससे उनकी किस मनोवृत्ति का पता चलता है?

हल

गाँव के लोग ठाकुरबारी को बेहद पवित्र और चमत्कारी स्थान मानते हैं।
वे मानते हैं कि अच्छी फसल, मुकदमे में जीत, लड़की की शादी — सब ठाकुरजी की कृपा से होता है।
पर्व-त्योहार की शुरुआत ठाकुरबारी से होती है, खलिहान से अनाज घर ले जाने से पहले 'अगउम' (देवता का अंश) निकाला जाता है।
इससे उनकी धार्मिक आस्था, अंधविश्वास और ईश्वर-भय पर आधारित मनोवृत्ति का पता चलता है।
गाँव के लोग किसी भी सफलता-असफलता का कारण तार्किक ढंग से न सोचकर उसे ईश्वर की इच्छा मान लेते हैं — यह अज्ञानता और श्रद्धा के मेल से उत्पन्न मनोवृत्ति है।
इसी अंध-आस्था का फायदा महंत और पुजारी उठाते हैं और लोगों की भावनाओं को अपने स्वार्थ के लिए इस्तेमाल करते हैं।

उत्तर: गाँव वालों की इस अपार श्रद्धा से उनकी अंधविश्वास और अज्ञान पर आधारित मनोवृत्ति का पता चलता है — वे हर घटना का कारण ठाकुरजी की कृपा या कोप में ढूँढते हैं और तार्किक दृष्टि से सोचने में असमर्थ हैं।

प्रश्न 4

अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका दुनिया की बेहतर समझ रखते हैं? कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

हल

हरिहर काका बिल्कुल अनपढ़ व्यक्ति हैं, फिर भी जीवन के अनुभव से उन्होंने व्यावहारिक समझ विकसित की।
जब कथावाचक और हरिहर काका ने एकांत में विचार-विमर्श किया, तब वे इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि जीते-जी जायदाद किसी और को लिख देना ठीक नहीं — चाहे वह भाई हो या महंत।
हरिहर काका ने गाँव के उन लोगों का उदाहरण याद किया जिन्होंने अपनी जायदाद दूसरों को लिख दी थी और बाद में उनकी दुर्गति हुई — जैसे रमेसर की विधवा।
महंत की चिकनी-चुपड़ी बातों के पीछे की सच्चाई उन्होंने अपहरण के बाद भाँप ली।
उन्होंने यह भी समझा कि भाइयों का स्नेह और सेवा जायदाद के कारण है, वास्तविक प्रेम नहीं।
मृत्यु के भय से भी न डरकर उन्होंने कहा — 'एक धूर जमीन भी तुम्हें नहीं लिखूँगा' — यह उनके साहस और विवेक का प्रमाण है।

उत्तर: हरिहर काका अनपढ़ होते हुए भी जीवन के अनुभव से जायदाद न लिखने की दूरदर्शिता, महंत और भाइयों के स्वार्थ को पहचानने की बुद्धि, और मृत्यु से न डरने का साहस रखते हैं — यही उनकी बेहतर समझ का प्रमाण है।

प्रश्न 5

हरिहर काका को जबरन उठा ले जाने वाले कौन थे? उन्होंने उनके साथ कैसा बर्ताव किया?

हल

हरिहर काका को जबरन उठा ले जाने वाले दो पक्ष थे —
पहला पक्ष: ठाकुरबारी के महंत, पुजारी और उनके सहयोगी साधु-संत। इन्होंने आधी रात को भाला, गंड़ासा और बंदूक से लैस होकर हरिहर काका के दालान पर हमला किया, उन्हें पीठ पर लादकर ठाकुरबारी ले गए, उनके हाथ-पाँव बाँध दिए, मुँह में कपड़ा ठूँसकर बाँध दिया और सादे व लिखे कागजों पर जबरन अँगूठे के निशान लिए। फिर उन्हें ताला लगे कमरे में बंद कर दिया।
दूसरा पक्ष: हरिहर काका के अपने सगे भाई। जब हरिहर काका ने जमीन लिखने से इनकार किया तो उनके भाइयों ने भी उन्हें पकड़कर मारा-पीटा, हथियार दिखाए, मुँह में कपड़ा ठूँसा और जबरन अनेक कागजों पर अँगूठे के निशान लिए।
दोनों पक्षों ने हिंसा और जबरदस्ती का सहारा लेकर उनके साथ अमानवीय व्यवहार किया।

उत्तर: ठाकुरबारी के महंत-साधुओं ने और बाद में सगे भाइयों ने हरिहर काका को जबरन उठाया — दोनों ने उनके हाथ-पाँव बाँधे, मुँह में कपड़ा ठूँसा, मारा-पीटा और जबरन अँगूठे के निशान लिए।

प्रश्न 6

हरिहर काका के मामले में गाँव वालों की क्या राय थी और उसके क्या कारण थे?

हल

हरिहर काका के मामले में गाँव वाले दो वर्गों में बँट गए थे।
पहला वर्ग चाहता था कि हरिहर काका अपनी जमीन ठाकुरजी के नाम लिख दें। इस वर्ग में धार्मिक संस्कारों के लोग और किसी न किसी रूप से ठाकुरबारी से जुड़े लोग थे — विशेषकर वे जो वहाँ प्रसाद पाने के लिए जाते थे।
दूसरा वर्ग यह मानता था कि भाई का परिवार अपना होता है, इसलिए जमीन उनके भतीजों को ही मिलनी चाहिए। इस वर्ग में गाँव के प्रगतिशील विचारों वाले लोग और वैसे किसान थे जिनके यहाँ हरिहर जैसी स्थिति वाले लोग रहते थे।
इन कारणों से गाँव में तनावपूर्ण माहौल बन गया था और दोनों वर्गों के बीच वाद-विवाद भी होने लगा था।
हर जगह हरिहर काका का ही प्रसंग चलता रहता था, क्योंकि इतना जबरदस्त मसला पहले कभी सामने नहीं आया था।

उत्तर: गाँव दो वर्गों में बँट गया — एक वर्ग जमीन ठाकुरबारी को देने के पक्ष में था (धार्मिक लोग, ठाकुरबारी से जुड़े लोग), दूसरा भाइयों को देने के पक्ष में (प्रगतिशील और खेतिहर किसान)।

प्रश्न 7

कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि लेखक ने यह क्यों कहा, 'अज्ञान की स्थिति में ही मनुष्य मृत्यु से डरते हैं। ज्ञान होने के बाद तो आदमी आवश्यकता पड़ने पर मृत्यु को वरण करने के लिए तैयार हो जाता है।'

हल

यह कथन हरिहर काका के परिवर्तित दृष्टिकोण का सार है।

पहले हरिहर काका भोले और अनजान थे। यदि उस अवस्था में उनके भाई या महंत उन्हें धमकी देते, तो वे डर जाते और जमीन लिख देते।

लेकिन महंत के जबरन अँगूठे के निशान लेने की घटना और भाइयों के विश्वासघात ने उन्हें गहरी समझ दी।

उन्होंने जान लिया कि जमीन लिख देने के बाद वे रमेसर की विधवा की तरह घुट-घुटकर जीने पर मजबूर हो जाएँगे — जो जीते-जी मृत्यु से भी बदतर होगा।

इस ज्ञान ने उनके भीतर साहस जगाया। जब भाइयों ने हथियार दिखाकर धमकी दी, तो उन्होंने डरने के बजाय गरजकर कहा — 'मुझे मार दो, लेकिन जीते-जी एक धूर जमीन भी नहीं लिखूँगा।'

इस प्रकार ज्ञान ने उन्हें मृत्यु के भय से ऊपर उठाकर आत्म-सम्मान के साथ जीने और आवश्यकता पड़ने पर मृत्यु को स्वीकार करने की क्षमता दी।

उत्तर: अज्ञान में हरिहर काका डर सकते थे, पर महंत-भाइयों के दोहरे विश्वासघात का ज्ञान होने पर उन्होंने जमीन न लिखने के लिए मृत्यु स्वीकार करने की हिम्मत दिखाई — इसीलिए लेखक ने यह सत्य कहा।

प्रश्न 8

समाज में रिश्तों की क्या अहमियत है? इस विषय पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

हल

रिश्ते-नाते मनुष्य के जीवन की नींव होते हैं। वे सुख-दुख में एक-दूसरे का सहारा बनते हैं और जीवन को सार्थकता प्रदान करते हैं।

हरिहर काका की कहानी यह दर्शाती है कि जब रिश्ते स्वार्थ से जुड़ जाते हैं तो उनका वास्तविक अर्थ खो जाता है।

भाई, जो स्वाभाविक रूप से सबसे विश्वासपात्र होने चाहिए, उन्होंने जमीन के लिए हरिहर काका के साथ वही व्यवहार किया जो बाहरी लोग करते हैं।

इसी प्रकार महंत ने धर्म के आवरण में लिपटकर एक गुरु-शिष्य जैसे पवित्र रिश्ते को कलंकित किया।

समाज में रिश्तों की अहमियत तब होती है जब वे निस्वार्थ भाव से निभाए जाएँ। जहाँ लालच आता है, वहाँ रिश्ते का खोखलापन सामने आ जाता है।

अतः रिश्तों को सच्चे प्रेम, विश्वास और त्याग की भावना से निभाया जाना चाहिए।

उत्तर: रिश्ते जीवन का आधार हैं, लेकिन हरिहर काका की कहानी सिखाती है कि स्वार्थ और लालच रिश्तों को खोखला बना देते हैं — सच्चे रिश्ते निस्वार्थ प्रेम और विश्वास पर टिके होते हैं।

प्रश्न 9

यदि आपके आसपास हरिहर काका जैसी हालत में कोई हो तो आप उसकी किस प्रकार मदद करेंगे?

हल

यदि मेरे आसपास हरिहर काका जैसी हालत में कोई हो, तो मैं निम्न प्रकार से उसकी मदद करने का प्रयास करूँगा —

सबसे पहले मैं उस व्यक्ति के पास जाकर उसे विश्वास दिलाऊँगा कि वह अकेला नहीं है और मैं उसकी बात सुनने के लिए तैयार हूँ।

यदि उसके साथ किसी ने जबरन कागजों पर अँगूठे के निशान लिए हों या मारपीट की हो, तो मैं तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज कराने में उसकी सहायता करूँगा।

मैं उसे कानूनी अधिकारों की जानकारी दूँगा और किसी सामाजिक संगठन या न्यायालय की मदद दिलाऊँगा।

उसकी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति में सहयोग करूँगा और समाज में उसके प्रति जागरूकता फैलाऊँगा।

उसे भावनात्मक और मानसिक समर्थन देकर टूटने से बचाऊँगा।

उत्तर: हरिहर काका जैसी स्थिति में मैं उस व्यक्ति का विश्वास जीतकर, पुलिस में शिकायत दर्ज कराने में मदद कर, कानूनी सहायता दिलाकर और भावनात्मक समर्थन देकर उसकी रक्षा का प्रयास करूँगा।

प्रश्न 10

हरिहर काका के गाँव में यदि मीडिया की पहुँच होती तो उनकी क्या स्थिति होती? अपने शब्दों में लिखिए।

हल

यदि हरिहर काका के गाँव में मीडिया की पहुँच होती, तो स्थिति बहुत भिन्न होती।

जब महंत और साधुओं ने आधी रात को हरिहर काका का अपहरण किया और ठाकुरबारी में बंद किया, तो मीडिया तुरंत इसे सार्वजनिक कर देता।

जब भाइयों ने उन्हें मारा-पीटा और जबरन अँगूठे के निशान लिए, यह खबर तत्काल प्रसारित होती और जन-आक्रोश से दोनों पक्षों पर दबाव बनता।

मीडिया के दबाव में पुलिस और प्रशासन अधिक सक्रिय होते और हरिहर काका को शीघ्र न्याय मिलता।

लेकिन एक जोखिम यह भी था कि मीडिया-कवरेज से दोनों पक्ष और अधिक दबाव, प्रचार और राजनीति का सहारा लेते।

कुल मिलाकर, मीडिया की उपस्थिति हरिहर काका की दुर्दशा को छिपने नहीं देती और उन्हें एक सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन दिलाने में सहायक होती।

उत्तर: मीडिया की पहुँच होती तो महंत और भाइयों की करतूतें तुरंत उजागर होतीं, जनदबाव से पुलिस-प्रशासन सक्रिय होता और हरिहर काका को शीघ्र न्याय व सुरक्षा मिलती।